यात्रियों की आवाज़ पमरे से सटे दपूमरे के तीन बड़े स्टेशनों में चालू हुआ मिस्ट सिस्टम

जबलपुर और आसपास के स्टेशनों में भी लगे वॉटर मिस्ट सिस्टम

धनंजय श्रीवास्तव

जबलपुर, नवभारत। पूरे प्रदेश सहित शहर में भी अब गर्मी ने अपना रौद्र रुप दिखाना शुरू कर दिया है। ज्यादातर इलाकों में तापमान 45 डिग्री के पार है। अभी तक गर्मी की वजह से कई लोगों की जान भी जा चुकी है। इतनी भीषण गर्मी में लोग घरों से बाहर निकलने में हिचकिचा रहे हैं। लेकिन इस भीषण गर्मी में मुख्य रेलवे स्टेशन पर आने वाले एवं यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कोई नई सुविधा शुरू नहीं की गई है। दरअसल, पश्चिम मध्य रेलवे से लगे हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर और नागपुर जैसे बड़े स्टेशनों में यहां एयर मिस्ट स्प्रे यानि धीमी पानी की फुहार की शुरुआत की गई है। लेकिन पमरे के जोन कार्यालय जबलपुर के रेलवे स्टेशन पर ही यह सुविधा नहीं उपलब्ध है।

क्या है एयर मिस्ट स्प्रे सिस्टम ?

बता दे कि यात्रियों की मांग को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर और रायपुर एवं नागपुर जैसे रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर कूलिंग और मिस्टिंग सिस्टम चालू किए गए हैं। बिलासपुर रेलवे स्टेशन की छत से पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे प्लेटफॉर्म का तापमान 4 डिग्री तक कम हो रहा इसी तरह रायपुर रेलवे स्टेशन पर भी पानी की फुहारों की सुविधा शुरू की गई है, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है। वाटर मिस्ट सिस्टम भीषण गर्मी पर काबू पाने की एक उन्नत तकनीक है। विशेष नोजल से पानी को अत्यंत महीन (माइक्रोन आकार की) बूंदों में छोड़ा जाता है ये बूंदें तेजी से गर्मी सोखकर भाप में बदल जाती हैं, जिससे आसपास का तापमान गिर जाता है।यह पारंपरिक स्प्रिंकलर (फव्वारे) की तुलना में 90% कम पानी खर्च करता है और गर्मी को तेज़ी से कम करता है। भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत देने के लिए प्लेटफॉर्म की छत पर लगे पाइप्स से पानी की हल्की फुहार छोड़ी जाती है जब ये बारीक बूंदें हवा में वाष्पित होती हैं, तो वायुमंडल की गर्मी को सोख लेती है इससे प्लेटफॉर्म का तापमान गिरने लगता है।

विचार किया जाएगा.....

नवभारत द्वारा जब रेलवे अधिकारियों से जबलपुर में वाटर मिस्ट सिस्टम स्थापित करने की बात सामने रखी तो इसपर अधिकारियों द्वारा विचार का जल्द से जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया। बता दे कि हाल ही में इस एयर मिस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया इसे देखने के बाद कई लोगों ने ऐसी सुविधा जबलपुर और आसपास के स्टेशनों पर शुरू करने की डिमांड की थी बता दे कि रायपुर रेलवे स्टेशन पर इस सुविधा के लिए काफी समय से तैयारी चल रही थी। पाइपलाइन लगने के बाद स्टेशन के अंदर ठंडक बढ़ गई है मिस्टिंग मशीन की वजह से प्लेटफॉर्म्स पर लोगों की भीड़ भी ज्यादा नजर आती है।

फाइल फोटो

एक प्लेटफार्म पर इतना है खर्चा

भारतीय रेलवे से जुड़े विशेषज्ञों की माने तो किसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर वाटर मिस्ट स्प्रे सिस्टम को लगाने की लागत लगभग 22 से 25 लाख रुपए के आसपास आती है। जोकि रेलवे द्वारा अर्जित राजस्व के आगे कुछ भी नहीं है। सिर्फ वाटर मिस्ट सिस्टम ही नहीं अगर जोन ठान ले तो ऐसी कई सुविधाएं आम रेल यात्रियों के हित में शुरू की जा सकती है।

उपयोगी साबित होगा सिस्टम

जब ऐसी भीषण तपती गर्मी के बीच यात्रियों के ऊपर स्टेशन पर ठंडी फवारें गिरती है, तो उन्हें गर्मी से थोड़ी राहत मिल जाती है गर्मियां शुरू होते ही छुट्टियां भी स्टार्ट हो जाती है ऐसे में कई लोगों को इस गर्मी में ट्रेवल करना पड़ता है बाहर से थके हारे यात्री, स्टेशन पर आकर इस वाटर मिस्ट सिस्टम को देखकर खुश हो सकते है। यह सिस्टम जबलपुर रेलवे स्टेशन पर लगने के बाद बहुत उपयोगी साबित होगा।

मेडिकल रूम्स खोले गए है.....

गर्मी के सीजन में रेल यात्रियों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल आपूर्ति करने के लिए पश्चिम मध्य रेल प्रशासन जुटा हुआ है कुछ गैर सरकारी संगठन और समाज सेवी संस्थाएं भी सेवा भावना से रेल यात्रियों को पीने का पानी (प्याऊ) उपलब्ध कराने में अपना योगदान दे रही हैं वही रेल अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर भी मेडिकल रूम आम जनता के लिए खोल दिए गए हैं जिसमें ग्लूकोस एवं जरूरी दवाइयां रखी गई है। वही संस्थाओं द्वारा स्टेशन पर यात्रियों को शीतल जल पिला कर पानी की अतिरिक्त आवश्यकता की पूर्ति करने में सक्रिय योगदान दिया जा रहा है संस्थाओं के द्वारा गाड़ी के स्टेशन पर आते ही यात्रियों को पानी पिलाने और खाली बॉटल में ठंडा पानी भरने का काम भी किया जा रहा है उद्देश्य यही है कि पश्चिम मध्य रेल से गुजर रहे किसी भी ट्रेन में कोई भी यात्री प्यासा न रहे सेवा के इस पुनीत कार्य से गर्मी में रेल सफर के दौरान यात्रियों को काफी राहत मिल रही है।

इनका कहना है

यह सुविधा यात्रियों के लिए बेहतर साबित होगी। वाटर मिस्ट सिस्टम के लग जाने से भीषण गर्मी से यात्रियों को राहत मिल सकेगी। तत्काल ही इसे संबंधित विभाग को भेज दिया जाएगा।

हर्षित श्रीवास्तव
सीपीआरओ
पश्चिम मध्य रेल

विकास कार्यों को समय पर करें पूरा : संदीप जैन

जेडीए की बैठक में दिए गए निर्देश

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन द्वारा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ कार्यालयीन समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी के साथ सीईओ दीपक वैद्य, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, वित्त अधिकारी, सम्पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। बैठक में सर्वप्रथम मुख्य कार्यपालिक अधिकारी दीपक वैद्य द्वारा प्राधिकरण के बजट, विभागीय संरचना, सम्पत्तियों की जानकारी एवं योजनाओं में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया गया। जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि शासन की मंशानुरूप विकास योजनाएं समय पर पूर्ण करना प्राधिकरण का दायित्व है, जिससे आमजनों को इसका समय पर लाभ मिल सके।

विकास कार्यों की समयसीमा

बैठक में योजना क्रमांक-64 व 65 में निर्माणाधीन एस.आर.-3 मार्ग को जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही योजना क्रमांक टी.डी.एस.-2 में निर्माणाधीन एस.आर.-2 मार्ग को भी जल्द पूरा करने को कहा गया, ताकि पाटन बाईपास लिंक होने से दीनदयाल चौक का यातायात दबाव कम हो। जेडीए अध्यक्ष ने निर्माणाधीन आवासीय सह व्यावसायिक प्रोजेक्ट को शीघ्र पूर्ण कर रेरा अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने मास्टर प्लान के अनुरूप सभी प्रोजेक्ट्स को सुरक्षा व गुणवत्ता मानकों के साथ समयसीमा में पूर्ण करने की सख्त हिदायत दी।

वॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि आज पर्यावरण संतुलन पहली आवश्यकता है। वॉटर लेवल के बिगड़े संतुलन से शहरवासी भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं, जिससे निजात पाना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी योजनाओं के रहवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करायें और आवश्यकता होने पर प्राधिकरण की ओर से तकनीकी सहायता दें। उन्होंने रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य शर्त के रूप में जोड़ने एवं बिना इस सिस्टम के एन.ओ.सी. न देने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

रज्जू हत्याकांड : पुलिस के हाथ खाली

जबलपुर। सिविल लाइंस थाना अंतर्गत सर्किट हाउस नंबर 02 के पास होटल चलाने वाले संचालक रज्जू कोरी की हत्या करने वाले आरोपित का पुलिस कोई अहम सुराग नहीं जुटा पाई है जिसके सहारे आरोपित तक पहुंचा जा सके। फिलहाल पुलिस के हाथ खाली है। दर्जनभर संदेहियों से पूछताछ की जा चुकी है लेकिन अब तक पुलिस के हाथ कातिल तक नहीं पहुंच सके है हालांकि पुलिस का दावा है कि जल्द ही अंधी हत्या की गुत्थी सुलझा ली जायेगी ।

विदित हो कि कंचनपुर अधारताल निवासी आरती कोरी (38) सर्किट हाउस नंबर 02 के पास खाने की दुकान चलाती हैं। बीती 22 मई की रात करीब 8 बजे उनके पति रज्जू कोरी दुकान बंद करने के बाद वहीं रुक गए थे और आरती अपने घर लौट आई थीं। 23 मई की सुबह जब आरती दुकान पहुंचीं, तो उनके पति वहां लापता थे। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 25 मई की सुबह करीब 7:30 बजे आरती अपने बेटे हेमंत के साथ पति की तलाश में निकली थीं। इसी दौरान बर्न कंपनी पावर हाउस के पास सड़क किनारे रज्जू कोरी का शव संदिग्ध हालत में पड़ा मिला था। पीएम रिपोर्ट के बाद खुलासा हुआ कि रज्जू कोरी की गला घोंटकर हत्या हुई है । इसके बाद पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर पतासाजी कर रही है ।

करीबी हो सकता है आरोपी

सिविल लाइन थाना प्रभारी कन्हैया बघेल ने बताया कि मामले की विवेचना की जा रही है। 11 से 12 संदेहियों से पूछताछ की जा चुकी है । फिलहाल हत्या किसने और किन कारणों से की है इसका पता नहीं चल सका है हर एंगल पर तफ्तारी जारी है । वहीं करीबियों पर भी शक की सुई घूम रही है ।

प्रताड़ना से तंग आकर पूर्व बीएसएफ जवान ने की थी खुदकुशी

कॉल रिकॉर्डिंग से खुला राज, महिला पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

जबलपुर। महिला की प्रताड़ना और धमकियों से तंग आकर पूर्व बीएसएफ जवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। कटंगी पुलिस ने मर्ग जांच और कॉल रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया नगर परिषद कटंगी में एलडीस के पद पर पदस्थ शिवम श्रीवास्तव (28) निवासी कूडन मोहल्ला ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनके पिता शिवकुमार श्रीवास्तव (58) ने 5-6 मई 2026 की दरमियानी रात घर के कमरे में फांसी लगा ली थी। मृतक शिवकुमार पूर्व में बीएसएफ में सेवाएं दे चुके थे। पुलिस जांच और परिजनों के बयानों से पता चला है कि मृतक शिवकुमार पिछले 3 साल से मंडला जिले के बीजाडांडी की रहने वाली रेखा सक्सेना के संपर्क में थे। रेखा लगातार शिवकुमार पर दबाव बना रही थी कि वह अपने बेटे-बहू को छोड़ दें और कटंगी का मकान बेचकर उसके साथ भेड़ाघाट वाले घर में रहें।

बेटी की शादी में हंगामा करने की दी थी धमकी

परिजनों के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को शिवकुमार की बेटी की शादी थी। तब रेखा ने धमकी दी थी कि यदि वह शादी में शामिल हुए, तो वह घर आकर हंगामा करेगी और समाज में उन्हें बदनाम कर देगी। इसके अलावा, रेखा फोन पर लगातार विवाद करती थी और उन्हें फांसी लगाकर मर जाने को कहती थी। इस मानसिक प्रताड़ना के कारण शिवकुमार पिछले एक हफ्ते से गहरे डिप्रेशन में थे।

ऑडियो रिकॉर्डिंग ने खोले राज

मृतक के बेटे ने पुलिस को दो मोबाइल फोन सौंपे हैं, जिनमें रेखा सक्सेना और शिवकुमार की बातचीत के ऑडियो रिकॉर्डिंग्स हैं। कॉल रिकॉर्ड में साफ सुना जा सकता है कि महिला लगातार शिवकुमार को गाली दे रही थी, बेटे-बहू को छोड़ने की बात कह रही थी और आत्महत्या के लिए उकसा रही थी। कटंगी पुलिस ने मर्ग जांच और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रेखा सक्सेना के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में ले लिया है।

पति करता था प्रताड़ित, पत्नी ने कर ली थी आत्महत्या

केण्ट थाना अंतर्गत संजय गांधी नगर मोदीबाड़ा में महिला ने पति की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की थी। मर्ग जांच में खुलासा होने के बाद पुलिस ने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। नगर पुलिस अधीक्षक केण्ट उदयभान बागरी ने बताया कि संजय गांधी नगर निवासी सिया उर्फरितु 27 वर्ष ने 5 वर्ष पहले अतुल बावरिया निवासी संजयगांधी नगर केण्ट के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के 4 वर्ष बाद से दोनों बीच विवाद होता रहता था। मायके पक्ष दोनों का आपसी समझौता करके बेटी को दामाद के घर भेज देते थे। 17-मई की शाम लगभग 4 बजे सिया ने घर में फांसी लगा ली थी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस मर्ग जांच के दौरान परिजनों के बयान दर्ज किए जिसमें पाया गया कि पति राहुल उर्फअतुल बावरिया द्वारा मृतिका सिया उर्फ रितु बेन बावरिया को शादी के बाद से ही नशा करके मारपीट, झगड़ा लगातार परेशान करता था। जिसके कारण परेशान होकर सिया उर्फरितू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पति राहुल उर्फअतुल बावरिया निवासी संजयगांधी नगर मोदीबाड़ा केण्ट के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया।

मुख्य न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को सुप्रीम कोर्ट जज नियुक्त करने की सिफारिश

जबलपुर, नवभारत। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने उच्चतम न्यायालय में रिक्तियों को भरने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए चार मौजूदा उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश की है। यह सिफारिशें 22 और 27 मई को आयोजित कॉलेजियम बैठको में की गई।कॉलेजियम द्वारा जारी बयान के अनुसार, जिन नामों की सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की सिफारिश की गई है, उनमें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली तथा सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना शामिल हैं।

गुजरात ले जाकर लूटी आबरू, वीडियो बनाया, बहन चंगुल में फंसी

जबलपुर । बेलखेड़ा निवासी एक युवती को शादी का झांसा देकर भाजपा नेता गुजरात ले गया जहां उसकी आबरू लूटी। इस दौरान उसने आपत्तिजनक वीडियो भी बनाए । पीड़िता किसी तरह उसके चंगुल से छूटकर निकली और पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि उसकी नाबालिग बहन का भी अपहरण हुआ है उसे भी गुजरात ले जाया गया जहां उसका शारीरिक शोषण किया जा रहा है। अति. पुलिस अधीक्ष ाक सूर्यकांत शर्मा ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पीड़िता 21 वर्षीय ने बताया कि सुरेन्द्र पटेल द्वारा उसे बहल फुसला कर विवाह करने का प्रलोभन देकर 6 फरवरी 2026 को को सूरत ताताथईयाँ गुजरात ले गया था तीन महीने तक साथ ही एक कमरे में रखा और उसके साथ शारीरिक शोषण करता रहा। जिसका वीडियो भी बनाया। इस बीच मौका मिलते ही सुरेन्द्र के चंगुल से छूटकर किसी तरह निकली और 26 मई को वापस अपने घर आ गई और परिजनों को आपबीती सुनाई। प्रशांत नामक युवक भी उसकी 16 वर्षीय बहन का अपहरण कर ले गया है । बहन गुजरात में ही है। प्रशांत पटेल द्वारा छोटी बहन से शारीरिक शोषण करता है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मामले को रसूखदार रफा दफा करने में लगे है। आरोपित भाजपा नेता है ।

अवैध खनन : कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन कर हो रहा था बोरवेल, 4 पर एफआईआर दर्ज

जबलपुर। जिला दंडाधिकारी के प्रतिबंधात्मक आदेशों की धज्जियां उड़ाकर अवैध रूप से बोरवेल खनन किया जा रहा था। बरेला थाना अंतर्गत गौर चौकी पुलिस ने दबिश देकर एक हाईटेक ड्रिलिंग मशीन और सपोर्ट वाहन को जब्त कर भू-स्वामी सहित चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,बुधवार को गौर चौकी पुलिस को सूचना मिली थी कि पुल के आगे, रुतबा होटल के बाजू में स्थित एक खाली प्लॉट पर बोरवेल मशीन द्वारा धड़ल्ले से पानी के लिए बोर किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी। पुलिस ने जब मौके पर उपस्थित वाहन चालक भाग सिंह गौंड़ को रोककर बोरिंग करने संबंधी वैध अनुमति के दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। कड़ाई से पूछताछ करने पर चालक ने कुबूल किया कि उसके पास कोई अनुमति नहीं है और वह सिर्फ वाहन मालिक के कहने पर यहाँ अवैध माइनिंग कर रहा था। गौरतलब है कि जल संकट को देखते हुए जिला दंडाधिकारी जबलपुर ने आगामी आदेश तक सम्पूर्ण राजस्व क्षेत्र में निजी बोरिंग कराने पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस आदेश की अवहेलना करते हुए भूमि स्वामी और जस बोरवेल के संचालक अवैध रूप से भूजल का दोहन करने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने मौके से अवैध खनन में लिप्त बोरवेल ड्रिलिंग मशीन क्रमांक एमपी 20 डीए 0550, बोरवेल सपोर्ट मशीन क्रमांक एपमी 20 जीए 4286को जब्त कर जस बोरवेल के मालिक, ड्रिलिंग मशीन चालक भाग सिंह गौंड़, सपोर्ट मशीन चालक रूप सिंह गौंड़ और प्लॉट के भूमि स्वामी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कारों में भिड़ंत, दंपत्ति घायल

सुनियोजित तरीके से एक्सीडेंट का आरोप, छानबीन में जुटी पुलिस

जबलपुर। चरगवां स्थित ग्राम मिरगा और भिड़की के बीच कारों में भिड़ंत हो गई जिसमें पति-पत्नी घायल हो गए जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया । मामले में परिजनों ने सुनियोजित तरीके से एक्सीडेंट कराने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार पुरवा निवासी रामकिशोर दीक्षित अपनी पत्नी भावना दीक्षित के साथ कार क्रमांक एमपी 20 सीई 5862 से बिजौरी से जबलपुर लौट रहे थे। वे जैसे ही मिरगा और भिड़की के बीच मार्वल फैक्ट्री के पास पहुंचे तभी एक काले रंग की तेज रफ्तार कार ने उनकी गाडी में टक्कर मार दी टक्कर के बाद उनकी कार बेकाबू हो गई और रोड किराने पेड़ से जाकर टकरा गई । हादसे में पति-पत्नी को चोटें आ गई। जिन्हें तत्काल उपचार के लिए स्वास्थ्य केन्द्र भिड़की ले जाया गया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जबलपुर रेफर कर दिया जिसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया । मामले में पीड़ित परिवार का आरोप है कि यह हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से उनके ऊपर हमला करवाया गया है । उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन विवाद के चलते वारदात हुई है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है ।

ईद-उल-जुहा पर्व को लेकर संवेदनशील क्षेत्रों में किया गया पैदल फ्लैग मार्च

जबलपुर । ईद-उल-जुहा पर्व पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से ओमती, कोतवाली गोहलपुर, संभाग के संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल फ्लैग मार्च किया गया। पैदल फ्लैग मार्च कन्ट्रोल रूम से प्रारम्भ होकर ओमती चौक, छोटी ओमती, बेलबाग तिराहा, लकड़गंज, फूटाताल, सराफा, मिलौनीगंज, मछली मार्केट, चार खम्बा से होते हुये बहोरा बाग में समाप्त हुआ। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कहा कि निकाले गये फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम नागरिक अपने आपको सुरक्षित महसूस करें, ईद पर्व पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखना है। असामाजिक तत्वों एवं गुण्डे बदमाशों के द्वारा यदि किसी भी प्रकार की कोई अनैतिक गतिविधि को अंजाम देने का प्रयास किया गया तो उसके विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही विधि अनुरूप की जायेगी, किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा। फ्लैग मार्च अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर/अपराध जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में निकाला गया ।

सड़क हादसे में घायल ने तोड़ा दम

जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत छोटा जैन मंदिर के सामने हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवक ने इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक 42 वर्षीय आशीष ठाकुर निवासी गजरथनगर, गढ़ा को बीते 23 मई की सुबह करीब 8:30 बजे छोटा जैन मंदिर के सामने एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना के तुरंत बाद आशीष ठाकुर को गंभीर हालत में इलाज के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में चार दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद, कल शाम लगभग 6:45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बुधवार को मेडिकल कॉलेज से सूचना मिलने पर गढ़ा पुलिस ने मर्ग कर जांच शुरू कर दी है।

विशेष पहल वृद्धाश्रम, कुष्ठ आश्रम पहुंचीं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य व सचिव ने जाना हाल, दिए स्वरोजगार के निर्देश

बुजुर्गों और जरूरतमंदों को ढांढस बंधाया, किया जागरूक

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के संरक्षण व कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के मार्गदर्शन में एक विशेष पहल की गई है। इसके तहत मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर की सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव और अतिरिक्त सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने बाजनामठ के पास स्थित निराश्रित वृद्धाश्रम एवं कुष्ठ आश्रम का औचक भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों और कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों से सीधे बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, रहन-सहन और विधिक आवश्यकताओं का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव ने सभी बुजुर्गों और जरूरतमंदों को ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि राज्य व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उन्हें कानून के तहत पूरी तरह से नि:शुल्क कानूनी सहायता, परामर्श और हर संभव सहयोग देने के लिए हमेशा तत्पर हैं। इस मौके पर आश्रम के निवासियों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण व संरक्षण संबंधी कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया गया।

कोई भी अधिकारों से वंचित नहीं रहे

निरीक्षण के बाद सदस्य सचिव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर को निर्देश दिए कि इन आश्रमों में लगातार विधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहे। उन्होंने एक मानवीय और व्यावहारिक कदम उठाते हुए अधिकारियों से कहा कि कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनकी क्षमता के अनुसार लिफाफा निर्माण या अन्य कुटीर उद्योगों से जोड़ा जाए। इस पूरे भ्रमण कार्यक्रम के दौरान राज्य व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और वृद्धाश्रम की अधीक्षिका रेवंदु सिंह विशेष रूप से मौजूद रहीं।